

## प्रकृति से जुड़ी है 'गोंड' परंपरा: चंदेला

रांची, विशेष संवाददाता। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, क्षेत्रीय केंद्र रांची व रामकृष्ण मिशन विवेकानंद एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को के आरकेएमवीआईआरआई परिसर में 'गोंड आदिवासियों' की लोक परंपराएं' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें गोंड आदिवासी समाज की समृद्ध लोक व मौखिक परंपराओं, पारंपरिक ज्ञान व सामाजिक मूल्यों पर मंथन हुआ।

मुख्य वक्ता अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (रीवा) के हिंदी विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. लक्ष्मीकांत चंदेला ने गोंड समाज की सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत पर

### आरकेडीएफ विवि में डालसा का जागरूकता कार्यक्रम

रांची। आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी में सोमवार को डालसा की ओर से नशामुक्ति पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डालसा सचिव राकेश रोशन के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। डिप्टी एलएडीसीएस राजेश सिन्हा, एनसीबी, सीआईडी और ड्रग्स कंट्रोल विभाग के अधिकारियों ने मादक पदार्थों की तस्करी से बचाव के प्रति जागरूक किया।

प्रकाश डाला। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले की नागपंचमी, होम, अलाव, बिदरी (गांव बांधना), नवखाना और घाट जैसी परंपराओं का उदाहरण देते हुए बताया कि ये रीति-रिवाज प्रकृति, कृषि और सामुदायिक जीवन से गहराई से जुड़े हैं।

डॉ. चंदेला ने कहा कि ये परंपराएं महज कर्मकांड नहीं, बल्कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी

हस्तांतरित होने वाला जीवंत पारंपरिक ज्ञान हैं। आईजीएनसीए के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कुमार संजय झा ने इन परंपराओं को सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक समरसता की अमूल्य धरोहर बताते हुए इनके संरक्षण पर बल दिया।

कार्यक्रम में डॉ. कमल बोस और प्रो. एसके पाल ने भी विचार व्यक्त किए।

RANCHI MUNICIPAL CORPORATION,  
RANCHI

## City भास्कर

रांची मंगलवार 18 अगस्त, 2026

सांस्कृतिक विमर्श

### गोंड आदिवासियों की लोक परम्पराएं विषय पर व्याख्यान का आयोजन

## गोंड आदिवासियों के सामाजिक मूल्यों को समझना जरूरी : डॉ. लक्ष्मीकांत

सिटी रिपोर्टर • संस्कृति मंत्रालय के तहत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, क्षेत्रीय केंद्र, रांची एवं रामकृष्ण मिशन विवेकानंद एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में मोरहाबादी स्थित संस्थान परिसर में 'गोंड आदिवासियों की लोक परम्पराएं' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। उद्देश्य गोंड आदिवासी समुदाय की समृद्ध लोक परम्पराओं, मौखिक परंपराओं, पारंपरिक ज्ञान, कला-अभिव्यक्तियों एवं सामाजिक मूल्यों को समझना तथा उनके सांस्कृतिक महत्व को व्यापक अकादमिक, एवं सांस्कृतिक विमर्श में सामने लाना था। मुख्य वक्ता डॉ. लक्ष्मीकांत चंदेला, सह-प्राध्यापक, हिंदी विभाग, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश ने गोंड आदिवासी समाज की विविध लोक परम्पराओं, मौखिक परम्पराओं, पारंपरिक ज्ञान एवं कलात्मक अभिव्यक्तियों के सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला।



### आदिवासी जीवन पारंपरिक ज्ञान की महत्वपूर्ण धरोहर

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कुमार संजय झा ने कहा कि आदिवासी लोक परम्पराएं सांस्कृतिक पहचान, सामुदायिक जीवन व पारंपरिक ज्ञान की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। सेंट जेवियर्स कॉलेज हिंदी विभाग के पूर्व प्राध्यापक डॉ. कमल कुमार बोस ने कहा कि कहा कि लोक परम्पराओं के प्रति आस्था और जुड़ाव सांस्कृतिक चेतना एवं संवेदना को बनाए रखने के लिए आवश्यक है।